

۷

وَإِذَا سَمِعُوا مَا أُنزِلَ إِلَى الرَّسُولِ تَرَىٰ أَعْيُنُهُمْ تَفِيضُ

और जहां सुन पाया वोह, जो नाज़िल किया गया है रसूले ईस्लामकी तरफ, तो देख लो उनकी आंभें, कि आंसू

مِنَ الدَّمْعِ مِمَّا عَرَفُوا مِنَ الْحَقِّ ۚ يَقُولُونَ رَبَّنَا آمَنَّا

बहा रही हैं, क्यूंकि उन्होंने उक पड्यान लिया. वोह केहते हैं ! ओ हमारे परवरदिगार हमने मान लिया,

فَاكْتَبْنَا مَعَ الشَّاهِدِينَ ۝ وَمَا لَنَا لَا نُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَمَا جَاءَنَا

तो हमको विभ ले गवाहोंमें (८३) और अस्वाहको, और जो हमारे पास

مِنَ الْحَقِّ وَنَطْمَعُ أَنْ يُدْخِلَنَا رَبَّنَا مَعَ الْقَوْمِ الصَّالِحِينَ ۝

उक आया. क्यूं न मानें जब कि हम उसके लालथी हैं कि दाखिल कर दे हमको हमारा परवरदिगार नेकियोंके साथ (८४)

فَأَنبَأَهُمُ اللَّهُ بِمَا قَالُوا جَدَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

तो अस्वाहने उनकी पवाब बाश्शा जो उन्होंने कहा उसका, जन्तें, कि बेहती हैं जिनके नीचे नहरें,

خُلْدِيْنَ فِيهَا وَذَلِكَ جَزَاءُ الْمُحْسِنِينَ ۝ وَالَّذِينَ كَفَرُوا

हमेशा उसमें रहनेवाले. और यह मुज्जिसोंकी जजा है (८५) और जिन्होंने ईन्कार किया

८

وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَحِيمِ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

और जुटवाया हमारी आयतोंको, तो वोह जहन्नमवाले हैं (८६) ओ वोह जो ईमान ला चुके !

لَا تُخْرِمُوا طَيِّبَاتِ مَا أَحَلَّ اللَّهُ لَكُمْ وَلَا تَعْتَدُوا ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا

न हराम करार दो पाकीजा थीजोंको, जो अस्वाहने उलाल कर दिया तुम्हारे लिये, और कानून न तोडो. बेशक अस्वाह नही

يُحِبُّ الْمُعْتَدِينَ ۝ وَكُلُوا مِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ حَلَالًا طَيِّبًا ۚ وَ

पसन्द इरमाता कानून शिकनोंको (८७) और भाओ जो रोजी इरमा दिया तुमको अस्वाहने उलाल पाकीजा. और

اتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي أَنْتُمْ بِهِ مُؤْمِنُونَ ۝ لَا يُؤَاخِذُكُمُ اللَّهُ

डरो अस्वाहको जिसको तुम लोग मानते हो (८८) नही गिरफ्त करता तुम्हारी अस्वाह

بِاللَّغْوِ فِي أَيْمَانِكُمْ وَلَكِنْ يُؤَاخِذُكُمْ بِمَا عَقَدْتُمُ الْآيْمَانَ ۚ

तुम्हारी बेभबरीकी कसमोंमें, लेकिन पकडेगा तुमको जो तुमने मजबूत अहद बना दिया कसमोंको,

فَكَفَّارَتُهُ إِطْعَامُ عَشْرَةِ مَسْكِينٍ مِنْ أَوْسَطِ مَا نَطَعُونَ

तो उसका कफ़ारा है जाना भिलाना दस मिसकीनोंको, दरमियानी दरजेका, जो अपने घरवालोंको

أَهْلِيكُمْ أَوْ كَسَوْتَهُمْ أَوْ تَحْرِيرَ رَقَبَةٍ ۖ فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامُ

بیلاتے رکھتے ہو، یا انکو کپڑا پہنانا، یا ایک لبرڈاکی آجاڈ کرنا۔ تو جسنے ن پایا، تو تین دینکا

ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ ۚ ذَلِكَ كَفَّارَةٌ لِّإِيمَانِكُمْ إِذَا حَلَفْتُمْ ۚ وَاحْفَظُوا أَيْمَانَكُمْ ۚ

رولآ۔ یڈ کفکارا ڈے تومڈاری کسمڈا جڈ کسڈ ڈا کر رڈ جآو۔ اور اپنی کسڈا ڈیال رڈو۔

كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ آيَاتِهِ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ۙ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

ڈس ررڈ بڈان کرتا ڈے اڈڈاڈ تومڈارے ڈیڈے اپنی آایڈاڈا، ڈی کڈا توم ڈوک ڈوآر ڈو جآو (۷۷) آے وول جڈ

آمَنُوا إِنَّمَا الْخَمْرُ وَالْمَيْسِرُ وَالْأَنْصَابُ وَالْأَزْلَامُ رِجْسٌ مِّنْ

ڈمان ڈا ڈوکے ! شراب اور جڈا اور ڈون اور ڈاڈے ناڈا ڈی ڈے،

عَمَلِ الشَّيْطَانِ فَاجْتَنِبُوهُ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ۙ إِنَّمَا يُرِيدُ

شطانڈے کام، تو انڈے بڈو ڈی ڈڈاڈ ڈاڈو (۷۸) شطان تو بڈ

الشَّيْطَانُ أَنْ يُوقِعَ بَيْنَكُمْ الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَاءَ فِي الْخَمْرِ وَ

یڈی ڈاڈتا ڈے ڈی ڈاڈ ڈے تومڈارے آاڈسڈے ڈوشڈنی اور ڈیڈے، شراب ڈیڈے و

الْمَيْسِرِ وَيُصَدِّكُمْ عَنْ ذِكْرِ اللَّهِ وَعَنِ الصَّلَاةِ فَهَلْ أَنْتُمْ

جڈا ڈهلنڈے، اور روك ڈے تومڈو ڈیڈے ڈڈاڈیڈے، اور نڈاڈسے۔ تو अब کڈا توم

مُنْتَهُونَ ۙ وَأَطِيعُوا اللَّهَ وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ وَاحذَرُوا فَإِن

ڈاڈ آاڈے ? (۷۹) اور کڈا ڈانو اڈڈاڈکا اور کڈا ڈانو رسلکا، اور ڈرا کرے۔ تو अगर

تَوَلَّيْتُمْ فَأَعْلَمُوا إِنَّمَا عَلَى رَسُولِنَا الْبَلْغُ الْمُبِينُ ۙ لَيْسَ عَلَى

تومڈے ڈنڈ ڈیرا، تو جان رڈو ڈی ڈمارے رسل ڈر سیرڈ ساڈ ساڈ ڈبڈیگ ڈے (۷۲) نڈا ڈے

الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ جُنَاحٌ فِيمَا طَعِمُوا إِذَا مَا

ان ڈر جڈ ڈمان ڈاڈے اور نك کام ڈیڈے ڈوڈ ڈناڈ، جڈ انڈاڈے ڈب ڈیڈا ڈا جڈا ڈیڈے

اتَّقُوا وَآمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ ثُمَّ اتَّقُوا وَآمَنُوا ثُمَّ اتَّقُوا

ڈرے، اور ڈمان ڈاڈے اور نك کام ڈیڈے، ڈیر ڈاڈے، اور ڈب ڈان گڈے، ڈیر ڈرڈے

وَاحْسَنُوا وَاللَّهُ يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ ۙ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

اور نك ڈیرڈار ڈو گڈے۔ اور اڈڈاڈ ڈبڈب رڈتا ڈے ڈبڈس نكڈارڈاڈے (۷۳) آے وول جڈ ڈمان ڈا ڈوکے !

لِيَبْلُوكُمْ اللَّهُ بِشَيْءٍ مِّنَ الصَّيِّدِ تَنَالَهُ أَيْدِيكُمْ وَرِمَاكُمُ

जड़र जांयेगा तुम्हें अल्लाह कुछ शिकारसे, कि पछोंय जाये तुम्हारे हाथ और नेजे उन तक,

لِيَعْلَمَ اللَّهُ مَن يَخَافُهُ بِالْغَيْبِ ۚ فَمَنِ اعْتَدَىٰ بَعْدَ ذَلِكَ

ताकि मा'लूम करा दे अल्लाह, कि कौन उरता है उसको बेदेभे. तो जो उदसे आगे हुवा उसके भा'द,

فَكَهُ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۶۷﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَقْتُلُوا الصَّيِّدَ

तो उसके लिये अजाब है दुभ देनेवाला (८४) अे वोड जो ठमान ला युके ! न मारो शिकार

وَأَنْتُمْ حُرْمٌ ۖ وَمَن قَتَلَ مِنْكُمْ مَّتَعَبًا ۖ فِجْزَاءٍ مِّثْلُ مَا

जभ कि तुम अेहराम बांधे हो. और जिसने मारा उसको तुम मेंसे अमदन, तो उसकी पादाश जो

قَتَلَ مِنَ النَّعْمِ يَحْكُمُ بِهِ ذَوَا عَدْلٍ مِّنكُمْ هَدْيًا بِلِغَةِ الْكَعْبَةِ ۚ

मारा है, उसके बराबरका यौपाया है, ईसला करे उसका हो मन्सक तुममेंसे, कुरबानी का'बाको पछोंयनेवाली,

أَوْ كَفَّارَةٌ ۖ طَعَامٌ مِّنْ لِّسَانِ أَوْ عَدْلٌ ذَلِكُمْ صِيَامًا لَّيْدٌ ۚ وَفِ

या कफ़ारा है भिस्कीनोंकी गिजा, या उसके बराबर रोजे, ताकि यभे

وَبِالْأَمْرِ ۖ عَفَا اللَّهُ عَمَّا سَلَفَ ۚ وَمَن عَادَ فَيَنْتَقِمُ اللَّهُ

अपने कियेका मजा. अल्लाह तआलाने मुआफ़ इरमा दिया जो पडले हो युका. और जिसने अब किया, तो बदला लेगा अल्लाह

مِّنْهُ ۚ وَاللَّهُ عَزِيزٌ ذُو انْتِقَامٍ ﴿۶۸﴾ أَحَلَّ لَكُمْ صَيْدُ الْبَحْرِ وَطَعَامُهُ

उससे. और अल्लाह गलबेवाला ठन्तिकामवाला है (८५) डलाल कर दिया गया तुमको दरियाई शिकार और उसको गिजा बनाना,

مَتَاعًا لَّكُمْ وَلِلْسَيَّارَةِ ۚ وَحُرْمٌ عَلَيْكُمْ صَيْدُ الْبَرِّ فَاذِمُّكُمْ حُرْمًا ۚ

तुम्हारे इाईदेके लिये और मुसाफ़िरोके लिये. और हराम किया गया तुम पर भुशकीका शिकार जभ तक कि तुम अेहराममें हो.

وَاتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ﴿۶۹﴾ جَعَلَ اللَّهُ الْكَعْبَةَ

और उरो अल्लाहसे जिसकी तरफ़ डशर किये जाओगे (८६) बना दिया अल्लाहने का'बा

الْبَيْتِ الْحَرَامِ قِيلًا لِلنَّاسِ وَالشَّهْرَ الْحَرَامَ وَالْهَدْيَ وَ

हुर्मतवाले घरको लोगोंके कियामका सभभ, और हुर्मतवाले महीनेको और डरम जानेवाली कुरबानी और

الْقَلَائِدَ ۚ ذَلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَعْلَمُونَ ۚ إِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا

पडैवाले जानवरोंको, यह ठस लिये कि तुम लोग भावर कर वो, कि भेशक अल्लाह जानता है जो कुछ आस्मानोंमें है, और जो

فِي الْأَرْضِ وَأَنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۹۵﴾ اَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ

कुछ जमीनमें है, और बेशक अल्लाह सब कुछ जानता है (९७) यकीन मानो कि बेशक अल्लाह

شَدِيدُ الْعِقَابِ وَأَنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۹۸﴾ مَا عَلَى الرَّسُولِ

अजाब देनेमें बड़ा सभ्त है, और बेशक अल्लाह गह्ररहीम है (९८) रसूल पर सिर्फ

إِلَّا الْبَلَاةُ وَاللَّهُ يَعْلَمُ مَا تُبْدُونَ وَمَا تَكْتُمُونَ ﴿۹۹﴾ قُلْ لَا يَسْتَوِي

तबलीग है. और अल्लाह जानता है जो तुम जाहिर करो और जो तुम छुपाओ (९९) केह दो कि बराबर नहीं है

الْخَبِيثُ وَالطَّيِّبُ وَلَوْ أَحْجَبَكَ كَثْرَةُ الْخَبِيثِ ۚ فَاتَّقُوا اللَّهَ

गन्दा और पाकीजा, गो तुम्हें अच्छी लगे गन्देका हल. तो अल्लाहसे डरो

يَأُولِي الْأَلْبَابِ لَعَلَّكُمْ تَفْلِحُونَ ﴿۱۰۰﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا

ऐ अकलमन्दी, कि इलाह तो पाओ (१००) ऐ वोह जो ईमान ला चुके ! न

تَسْأَلُوا عَنْ أَشْيَاءَ إِنْ تُبَدَّلَ لَكُمْ تَسْوِكُمْ وَإِنْ سَأَلْتُمْ عَنْهَا جِئْنَا

पूछा करो ऐसी चीजें, कि अगर साइ बता दी जायें तुमसे, तो बुरा लगे तुमको, और अगर पूछ पडे तुम ऐसी बात जिस वक्त

يُنزِّلُ الْقُرْآنَ تُبَدَّلُ لَكُمْ عَفَا اللَّهُ عَنْهَا وَاللَّهُ غَفُورٌ حَلِيمٌ ﴿۱۰۱﴾ قَدْ

कुरआन उतारा जा रहा है, तो साइ जाहिर कर दिया जायेगा. अल्लाह उससे मुआफी दे और अल्लाह गह्ररहीम है (१०१) ऐसे

سَأَلَهَا قَوْمٌ مِّنْ قَبْلِكُمْ ثُمَّ أَصْبَحُوا بِهَا كَافِرِينَ ﴿۱۰۲﴾ مَا جَعَلَ اللَّهُ

ही सवालात किये थे तुमसे पहले लोगोंने, फिर वोही उसके मुन्डिर हो गये (१०२) अल्लाहने नहीं ठहराया

مِّنْ بَحِيرَةٍ وَلَا سَائِبَةٍ وَلَا وَصِيلَةٍ وَلَا حَامِرٍ وَلَكِنَّ الَّذِينَ

कान थिरे हूये जानवर और न सांडको, और न वसीला बकरीको, और न डामी गीटको, लेकिन जिन्होंने

كَفَرُوا يَفْتَرُونَ عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ وَكَانُوا لَا يَعْقِلُونَ ﴿۱۰۳﴾ وَ

कुंक किया वोह बोहतान रभते हैं अल्लाह पर जूटका. और उनकी अकपरिथ्यत बेअकल है (१०३) और

إِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا إِلَىٰ مَا أَنزَلَ اللَّهُ وَإِلَىٰ الرَّسُولِ قَالُوا حَسْبُنَا

जब उन्हें कहा गया कि आ जाओ उसकी तरफ जो नाजिल करमाया अल्लाहने और रसूलकी तरफ, तो जवाब दिया, कि "हमें काफ़ी है

مَا وَجَدْنَا عَلَيْهِ آبَاءَنَا ۖ أُولَٰئِكَ كَانُوا لَآ يَعْلَمُونَ شَيْئًا وَ

जिस पर हमने अपने बाप-दादोंको पाया." क्या गो उनके बापदादे न कुछ जानते हैं

لَا يَهْتَدُونَ ﴿١٣﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا عَلَيْكُمْ أَنْفُسَكُمْ لَا يَضُرُّكُمْ

न राह पाई हो ? (१०४) ओ वोह जो ईमान लाओ ! अपना अपना भयाल रभो. न बिगाडेगा तुम्हारा

مَنْ ضَلَّ إِذَا اهْتَدَيْتُمْ إِلَى اللَّهِ فَرْجِعْكُمْ جَمِيعًا فِيمَنْبَعِكُمْ

वोह, जो गुमराह हो गया जब कि तुमने छिदायत पावी. अल्लाहकी तरफ तुम सबको लौटना है, तो वोह तुम्हें भता देगा

بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿١٤﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا شَهَادَةٌ بَيْنَكُمْ إِذَا حَضَرَ

जो करते थे (१०५) ओ वोह जो ईमान ला चुके ! तुम्हारी आपसकी पूरी गवाही, जब आ गई

أَحَدُكُمْ الْمَوْتُ حِينَ الْوَصِيَّةِ اثْنَيْنِ ذَوَا عَدْلٍ مِّنْكُمْ أَوْ آخَرَ

तुममेंसे किसीकी मौत, वसियतके वक्त, दो मो'तबर हें. तुम्हारे या दूसरों

مِنْ غَيْرِكُمْ إِنْ أَنْتُمْ ضَرَبْتُمْ فِي الْأَرْضِ فَأَصَابَتْكُمْ مُصِيبَةٌ

से हो हें. अगर तुमने सफर कर रभा है, फिर पड़ोयी तुम्हें मौतकी

الْمَوْتُ تَحْسَبُونَهَا مِنْ بَعْدِ الصَّلَاةِ فَيُقْسِمْنَ بِاللَّهِ إِنْ

मुसीबत, कि रोको दोनोंको नमाजके बाद, तो कसम भाअें अल्लाहकी. अगर

أَرْتَبْتُمْ لَا نَشْتَرِي بِهِنَّ نَسًا وَلَا نَكْرًا وَلَا نَكْفِيكُمْ شَهَادَةً

तुमको शुभल दुवा, कि हम न लेंगे डलफके बदले कोई दाम, गो कराबतमन्द हो. और न हम छुपाअेंगे अल्लाहकी गवाहीको,

اللَّهُ إِنَّا إِذَا أَلَيْنَ الْأَثْمِينَ ﴿١٥﴾ فَإِنْ عُدَّ عَلَى آثِمًا اسْتَحْقَاقًا إِنَّمَا

कि भेशक हम अैसा करें तो गुनाहगारोंसे हों (१०६) फिर अगर पता लग गया कि दोनोंने जुर्मका धर्तिकाब किया,

فَأَخْرَجَ يَوْمَئِذٍ مِّنْ مَّقَامِهِمَا مِنَ الَّذِينَ اسْتَفْتَىٰ عَلَيْهِمُ الْأَوَّلِينَ

तो हो दूसरे उनकी जगह भडे हों, उनमेंसे जिन पर पहलेवाले डकदार बने थे,

فَيُقْسِمْنَ بِاللَّهِ لَشَهَادَتُنَا أَحَقُّ مِنْ شَهَادَتِهِمَا وَمَا اعْتَدَيْنَا

तो यह दोनों कसम भाअें अल्लाहकी, कि हमारी गवाही ज़्यादा दुरुस्त है उन दोनोंकी गवाहीसे, और हमने ज़्यादाती नहींकी.

إِنَّا إِذَا أَلَيْنَ الظَّالِمِينَ ﴿١٦﴾ ذَلِكَ أَدْنَىٰ أَنْ يَأْتُوا بِالشَّهَادَةِ عَلَىٰ

भेशक अैसा करें तो जालिमोंसे हों (१०७) यह तरीका करीब तर है कि गवाही दिया करें

وَجْهَهَا أَوْ يَخَافُوا أَنْ تُرَدَّ أَيْمَانُ بَعْدَ آيْمَانِهِمْ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَ

वाकेआके मुताबिक, या डरते रहें कि भरदूह कर दी जाती हें कुछ कसमें उनकी कुछ कसमोंके बाद. और अल्लाहसे डरो और

اسْمَعُوا وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفَاسِقِينَ ﴿١٥١﴾ يَوْمَ يَجْمَعُ اللَّهُ

सुनो. और अल्लाह राह नहीं देता ना इरमान कौमको (१०८) जिस दिन जमा करेगा अल्लाह

الرُّسُلَ فَيَقُولُ مَاذَا أَحْبَبْتُمْ قَالُوا لَا عِلْمَ لَنَا إِنَّكَ أَنْتَ عَلَّامُ

रसूलोंको, फिर कहेगा कि क्या जवाब दिये गये तुम, सबका जवाब है कि हमारा धर्म कोई चीज नहीं है. भेदक तू ही अल्ला-

الْغُيُوبِ ﴿١٥٢﴾ إِذْ قَالَ اللَّهُ لِيَعْسَى ابْنِ مَرْيَمَ ادْكُرِي نِعْمَتِي عَلَيْكَ

मुल गुयूब है (१०८) जबकि कहेगा अल्लाह ऐ इसा धने मरयम, याद करो मेरी ने'मतकी अपने ठीपर,

وَعَلَى وَالِدَتِكَ إِذْ أَيَّدتُّكَ بِرُوحِ الْقُدُسِ فَكَلَّمَ النَّاسَ فِي

और अपनी मांके ठीपर... जबकि तेरे हाथोंको मजबूत किया इहुल कुहुससे.. कि बातें करो लोगोंसे

الْمَهْدِ وَكَهْلًا وَإِذْ عَلَّمْتِكَ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَالتَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ

मांकी गोदमें, और बुढ़ापेमें भी, और जब कि सिखा दिया मैंने तुमको किताब और हिकमत और तोरेत व ध-खुल.

وَإِذْ تَخَلَّقُ مِنَ الطَّيْنِ كَهَيْئَةِ الطَّيْرِ بِأَدْنَى فَتَنْفَخُ فِيهَا فَتَكُونُ

और जब कि बना देते तुम मिट्टीसे, जैसे चिड़ियाकी मूरत मेरे हुकमसे, फिर हूंकते उसमें, तो वोह चिड़िया

طَيْرًا بِأَدْنَى وَتَبْرِيءُ الْأَكْمَةِ وَالْأَبْرَصِ بِأَدْنَى ۗ وَإِذْ تُخْرِجُ

छो जाती मेरे हुकमसे, और तन्दुरुस्त कर देते तुम पैदाधशी अ-धेको और सकेद हागवालेको, मेरे हुकमसे, और जब जिन्दा निकाल देते तुम

السَّوْتَى بِأَدْنَى ۗ وَإِذْ كَفَفْتُ بَنِي إِسْرَائِيلَ عَنْكَ إِذْ جِئْتَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ

मुदोंको मेरे हुकमसे, और जब कि रोक डाल दी मैंने बनी इस्राएलके लिये तुमसे, जब कि लाये तुम उनके

فَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْهُمْ إِنْ هَذَا إِلَّا أَسْحَرُ مُبِينٌ ﴿١٥٣﴾ وَإِذْ أَوْحَيْتُ

पास मो'जिजे, तो बोले वोह जो काहिर थे उनमें, कि यह तो अस मुला हुवा जादू है (११०) और जब कि मैंने

إِلَى الْحَوَارِيِّينَ أَنْ آمِنُوا بِي وَبِرَسُولِي قَالُوا آمَنَّا وَاشْهَدْ بِأَنَّا

दिलमें डाल दिया हवारियोंके, कि मुजको मानो और मेरे रसूलको, सब बोले कि हमने माना, और तू गवाह रह, कि हम भेदक

مُسْلِمُونَ ﴿١٥٤﴾ إِذْ قَالَ الْحَوَارِيُّونَ لِيَعْسَى ابْنِ مَرْيَمَ هَلْ يَسْتَطِيعُ

मुसल्मान हैं (१११) जबकि हवारियोंने कहा था कि ऐ इसा धने मरयम, क्या तुम्हारा परवरदिगार यह कर

رَبُّكَ أَنْ يُنَزِّلَ عَلَيْنَا مَائِدَةً مِنَ السَّمَاءِ قَالَ اتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ

सकता है कि उतार दे हम पर अंक भवान आस्मानसे ? जवाब दिया कि अल्लाहसे डरो, अगर

كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ۝ قَالَوا نُرِيدُ أَنْ نَأْكُلَ مِنْهَا وَتَطْمِئِنَّ قُلُوبُنَا وَ

उसको मानते हो (११२) सबने कहा “कि हम खाते हैं कि उससे भायें और हमारे दिल मुत्मर्धन हो जायें और

۱

نَعْلَمَ أَنْ قَدْ صَدَقْتُنَا وَنَكُونُ عَلَيْهِا مِنَ الشَّاهِدِينَ ۝ قَالَ

यकीन कर लें कि आपने हमको सच बताया, और हम उस पर गवाह हो जायें” (११३) कहा

عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ اللَّهُمَّ رَبَّنَا أَنْزِلْ عَلَيْنَا مَائِدَةً مِنَ السَّمَاءِ

ईसा ईसने मरयमने, “ऐ मा'बूद हमारे परवरदिगार, उतार दे हम पर ध्वान आस्मानसे, कि हमारे

تَكُونُ لَنَا عَيْدًا لِأَوَّلِنَا وَآخِرِنَا وَآيَةً مِنْكَ وَارْزُقْنَا وَأَنْتَ

विये ईद हो जायें, हमारे अगलों और पिछलों सबके विये, और अक निशानी तेरी तरफसे. और हमें रोजी दे और तू

خَيْرُ الرَّازِقِينَ ۝ قَالَ اللَّهُ إِنِّي مُنَزِّلُهَا عَلَيْكُمْ فَمَنْ يَكْفُرْ بَعْدَ

सभसे भठ कर रोजी देनेवाला है” (११४) इरमाया अल्लाहने, कि “भेशक में उतारता हूँ उसे तुम लोगों पर, तो जिसने कुफ़ किया

۵

مِنْكُمْ فَإِنِّي أَعَذِّبُهُ عَذَابًا لَّا أَعَذِّبُهُ أَحَدًا مِنَ الْعَالَمِينَ ۝

तुममेंसे ईसके भा'द, तो बिलाशुभल उसको वोड अजाभ हूँगा कि जहांमें किसीको वोड अजाभ न हूँगा” (११५)

وَإِذْ قَالَ اللَّهُ لِعِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ أَنْتَ قُلْتَ لِلنَّاسِ اتَّخِذُونِي

और जब कहेगा अल्लाह, “ऐ ईसा ईसने मरयम, क्या तुमने कहा था लोगोंको कि बनावो मुजको

وَأَهْلِي الْهَيْئِ مِنْ دُونِ اللَّهِ قَالَ سُبْحَانَكَ مَا يَكُونُ لِي

और मेरी मांको मा'बूद अल्लाहको छोड कर ?” कहेंगे “सुभानल्लाह ! मुझे उक नहीं कि

۵

أَنْ أَقُولَ مَا لَيْسَ لِي بِحَقِّ أَنْ كُنْتُ قُلْتَهُ فَقَدْ عَلِمْتُمْ تَعْلَمَ

वोड भात कहुँ जिसका मुजको उक नहीं... अगर मैंने कहा होता, तो भेशक उसको तू जानता. तू जानता है

فَإِنِّي نَفْسِي وَلَا أَعْلَمُ فَا فِي نَفْسِكَ إِنَّكَ أَنْتَ عَلَّامُ الْغُيُوبِ ۝

जो कुछ मेरे जमें है और मैं नहीं जानता जो तेरे ईल्ममें है. भेशक तू ही अल्लासुल गुयूभ है (११६)

مَا قُلْتُ لَهُمْ إِلَّا مَا أَمَرْتَنِي بِهِ أَنْ أَعْبُدُوا اللَّهَ رَبِّي وَرَبَّكُمْ

मैंने नहीं कहा ईन्हें मगर जिसका हुकम दिया तूने, कि पूजो अल्लाहको, मेरा परवरदिगार और तुम लोगोंका पालनहार,

وَكَنْتُ عَلَيْهِمْ شَهِيدًا مَا دُمْتُ فِيهِمْ فَلَمَّا تَوَفَّيْتَنِي كُنْتُ

और मैं उन्हें देभता रहा, जब तक उनमें रहा, फिर जब तूने पूरी कर दी उनमें मेरी मुदते कियामकी,

أَنْتَ الرَّقِيبَ عَلَيْهِمْ وَأَنْتَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدٌ ۝۱۹

तो तू ही निगेडवान रडा. और तू हर अकका निगेडवान हे (११७) अगर

تُعَذِّبُهُمْ فَإِنَّهُمْ عَبَادُكَ ۝ وَإِنْ تَغْفِرْ لَهُمْ فَإِنَّكَ أَنْتَ الْعَزِيزُ

अजाब दे उनमेंसे जिसको, तो बेशक वोड तेरे बन्दे हें. और अगर उनमें किसीको तू बपश दे, तो बेशक तू ही गल्बेवाला

الْحَكِيمُ ۝ قَالَ اللَّهُ هَذَا يَوْمُ يَنْفَعُ الصَّادِقِينَ صِدْقُهُمْ لَهُمْ

डिकमतवाला हे” (११८) इरमायेगा अल्लाड, “यड दिन हे कि इाईदा दे सख्योंको उनकी सख्याई,” उनके लिये

جَدَّتْ مَجْرَىٰ مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا رَضِيَ اللَّهُ

जन्नों हें, कि डेडती हें जिनके नीचे नडरें. डमेशा डमेश रडनेवाले उसमें. अल्लाड उनसे

عَنْهُمْ وَرَضُوا عَنْهُ ۝ ذَلِكَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝ لِلَّهِ مُلْكُ

राजी और वोड अल्लाडसे राजी. यड बडी कामियाबी हे (११८) अल्लाडकी हे मिलिकय्यत आस्मानों

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا فِيهِنَّ ۝ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝

और जमीनकी, और जो कुछ उनमें हे. और वोड हर याडे पर कादिर हे (१२०)

سُورَةُ الْاِنْعَامِ ۝ ۱-۶۵ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝ ۱۶۵

सूरअे अन्नाम मकिडया

नामसे अल्लाडके बडा मडरवान बपशनेवाला,

आयात १६५ रूकुअ २०

الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظُّلُمَاتِ

सारी भुभियां अल्लाडके लिये जिसने पैदा इरमाया आस्मानों और जमीनको और बनाया तारीकियों

وَالنُّورِ ۝ ثُمَّ الَّذِينَ كَفَرُوا بِرَبِّهِمْ يَعْبُدُونَ ۝ ۱ هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ

और रोशनीको.. फिर जिन्हों ने कुड किया, अपने परवरदिगारका बराबर करार देते हें (१) वोड हे जिसने पैदा किया तुमको

مِّن طِينٍ ۝ ثُمَّ قَضَىٰ أَجَلًا ۝ وَأَجَلٌ مُّسَمًّى عِنْدَهُ ۝ ثُمَّ أَنْتُمْ

मिडीसे, फिर डैसला किया अक भीआदे मुकररका. और अक नामजड किया वा'दा उसके यडां हे, फिर तुम लोग

تَمَتُّونَ ۝ ۲ وَهُوَ اللَّهُ فِي السَّمَوَاتِ وَفِي الْأَرْضِ يُعَلِّمُ سِرَّهُمْ

शक करते डो (२) और वोडी अल्लाड हे सारे आस्मानों और जमीनमें. जाने तुम्हारे छुपेको

وَجَهْرَهُمْ وَيَعْلَمُ مَا تُكْسِبُونَ ۝ ۳ وَمَا تَأْتِيهِمْ مِّنْ آيَةٍ مِّنْ آيَاتِ

और तुम्हारे जाडिरको, और जाने जो तुम कमाओ (३) और न आई उनके पास कोई निशानी उनके परवरदिगार

رَبِّهِمْ إِلَّا كَانُوا عَنْهَا مُعْرِضِينَ ﴿۳۷﴾ فَقَدْ كَذَّبُوا بِالْحَقِّ لَمَّا جَاءَهُمْ

की निशानियोंसे, मगर छी गअे उससे इगर्दी (४) तो बेशक उन्होंने जुटवाया उकको जब उनके पास आया.

فَسَوْفَ يَأْتِيهِمْ أَتْبَوْا مَا كَانُوا يَاءِ سِتْرَهُمْ ۖ وَالْمَ يَرَوُكُمْ

तो जल्द आ रही हें उनके पास जबरें जिससे उंसी कर रहे थे (५) क्या उन्होंने नहीं देखा

أَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ مَنْ قَرْنٍ مَّكَّنَّهُمْ فِي الْأَرْضِ مَا لَمْ يُمْكِنْ

कि उलाक कर दिये हमने उनसे पहले औसोंकी, जिन्हें हमने ठतना मजबूत कर दिया था जमीनमें जो तुमको न किया,

لَكُمْ وَأَرْسَلْنَا السَّمَاءَ عَلَيْهِمْ صِدْرًا رَآ وَجَعَلْنَا الْأَنْهَارَ تَجْرِي

और भेजा उन पर जुब भरसता बादल, और हमने नहरें कर दीं कि बहें

مِنْ تَحْتِهِمْ فَأَهْلَكْنَاهُمْ بِذُنُوبِهِمْ وَأَنْشَأْنَا مِنْ بَعْدِهِمْ قَرْنًا

उनके नीचे, फिर हमने उलाक कर दिया उनको उनके गुनाहोंकी वजहसे, और उठाई हमने उनके बाद दूसरी

آخَرِينَ ۖ وَلَوْ نَزَّلْنَا عَلَيْكَ كِتَابًا فِي قِرطَائِسٍ فَلَسَوْهُ بِأَيِّدِيهِمْ

उम्मत (६) और अगर हमने उतारा होता तुम पर किसी नविशतेकी कागजमें, फिर उन्होंने अपने हाथोंसे छू लिया होता,

لَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ هَذَا إِلَّا سِحْرٌ مُّبِينٌ ﴿۳۸﴾ وَقَالُوا الْوَلَا أَنْزَلَ

तो भी केडते जो काफिर हें, कि यह नहीं है मगर जुवा जादू (७) और बोले, कि “क्यूं नहीं उतारा गया

عَلَيْهِمْ مَلَكٌ ۖ وَلَوْ أَنْزَلْنَا مَلَكًا لَقُضِيَ الْأَمْرُ ثُمَّ لَا يُنظَرُونَ ﴿۳۹﴾ وَلَوْ

उन पर कोई इरिश्ता.” और अगर हम उतार देते इरिश्ते, तो काम भन्म हो गया होता. फिर उनको मोडलत न दी जाती (८) और अगर

جَعَلْنَاهُ مَلَكًا لَجَعَلْنَاهُ رَجُلًا ۖ وَلَلْبَسْنَا عَلَيْهِمْ مَا يَلْبَسُونَ ﴿۴۰﴾ وَلَقَدْ

हम बनाते नभी इरिश्तेकी, तो बनाते उसे मर्द, और जरूर उनको उसी शुबहमें रभते जिसमें हें (९) और बेशक

أَسْتَهْزِئُ بِرُسُلٍ ۖ فَمِنْ قَبْلِكَ فَحَاقَ بِالَّذِينَ سَخِرُوا مِنْهُمْ مَا

ठहा किया गया तुमसे पहलेके रसूलोंके साथ. तो उतरी उन्हीं पर जिन्होंने उंसीकी थी

الْبَعْثِ

كَانُوا يَاءِ سِتْرَهُمْ ۖ وَمَنْ قَلٍ سِيرُوا فِي الْأَرْضِ ثُمَّ انظُرُوا كَيْفَ

उनकी उंसी (१०) कलो, कि “जमीनमें घूमो ! फिर देभो कि क्या

كَانَ عَاقِبَةُ الْمُكَذِّبِينَ ﴿۴۱﴾ قُلْ لِمَنْ قَالِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

अन्जाम हुवा जुटवानेवालोंका” (११) केड दो, कि “किसका है जो कुछ आस्मानों और जमीनमें है ?”

قُلْ لِلَّهِ كُتُبٌ كَتَبَ عَلَى نَفْسِهِ الرَّحْمَةَ لِيَجْزِيََكُمْ إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ

कहो अल्लाहका. करार दे लिया अपने करम पर रहमतकी. ताकि ठकड़ा करे तुमको रोजे क्यामत,

لَا رَيْبَ فِيهِ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنْفُسَهُمْ فَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۲﴾ وَلَهُ مَا

उसमें कोठ शक नहीं है. जिन्होंने घाटा किया अपने साथ, तो वोह नहीं मानते (१२) और उसीका है जो कुछ

سَكَنَ فِي الْبَيْلِ وَالنَّهَارِ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۱۳﴾ قُلْ أَعْبَدُوا اللَّهَ

भसा रात और दिनमें. और वोह सुननेवाला जाननेवाला है (१३) केह दो, कि “क्या अल्लाहके सिवा

أَتَّخِذُ وَلِيًّا فَاطِرِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَ يُطْعَمُ وَلَا يُطْعَمُ قُلْ

दूसरेको मा'बूद बना वूं?” पैदा करनेवाला आस्मानों और जमीनका, और वोह भिलाता है और भिलाये जानेसे पाक है. केह दो,

إِنِّي أُمِرْتُ أَنْ أَكُونَ أَوَّلَ مَنْ أَسْلَمَ وَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الشَّاكِرِينَ ﴿۱۴﴾

कि “भेशक मुजको हुकम दिया गया है कि पहला मुसल्मान होना, और मुश्रिकोंसे न होना” (१४)

قُلْ إِنِّي أَخَافُ إِنْ عَصَيْتُ رَبِّي عَذَابَ يَوْمٍ عَظِيمٍ ﴿۱۵﴾ مَنْ

केह दो, कि “भेशक मैं तो डरूं,” अगर ना इरमानीकी छोती अपने परवरदिगारकी बडे दिनके अजाबको (१५) जिस

يُصْرَفُ عَنْهُ يَوْمَئِذٍ فَقَدْ رَحِمْنَا وَذَلِكَ الْفَوْزُ الْمُبِينُ ﴿۱۶﴾ وَإِنْ

से फेर दिया जाये अजाब उस दिन, तो भेशक रहम इरमा दिया उस पर. और यह भुवी कामियाभी है (१६) और अगर

يَسْسَسْكَ اللَّهُ بَصْرًا فَلَا كَاشِفَ لَهُ إِلَّا هُوَ وَإِنْ يَسْسَسْكَ بَخِيرٍ

अल्लाह तुम्हें नुकसान पछोया दे, तो कोठ उसका हटानेवाला नहीं है, बजुज उसके. और अगर भलाई पछोया दे,

فَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۷﴾ وَهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ ۗ وَهُوَ

तो वोह हर याहे पर कादिर है (१७) और वोह जबरदस्त है अपने भन्दों पर. और वोह

الْحَكِيمُ الْحَبِيرُ ﴿۱۸﴾ قُلْ أَمَى شَيْءٍ أَكْبَرُ شَهَادَةً قُلِ اللَّهُ شَهِيدٌ

हिकमतवाला भबरदार है (१८) केह दो, कि “सभसे बडा गवाह कौन ?” कछो, कि ‘अल्लाह’... गवाह है,

بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۖ وَأَوْحَىٰ إِلَىٰ هَذَا الْقُرْآنِ لِأُنذِرَكُمْ بِهِ وَمَنْ

हमारे तुम्हारे दरमियान.. और मेरी तरफ वही किया गया है यह कुरआन, ताकि तुमको उससे डराऊँ और जिस जिसको

بَلَغَ آيَاتِكُمْ لَتَشْهَدُونَ أَنَّ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ ۗ قُلْ لَا أَشْهَدُ

पछोये. क्या तुम गवाही देते हो, कि अल्लाहका शरीक दूसरे मा'बूद लोग हैं ? कछो कि मैं तो गवाही नहीं देता.

وقت لائحه
پايدى

وقت لائحه

۲۰۰

قُلْ إِنَّمَا هُوَ إِلَهٌ وَاحِدٌ وَإِنِّى بَرِّىءٌ مِّمَّا تُشْرِكُونَ ۱۹ الَّذِينَ

کہے دی کہ اے اللہ ایک ہے۔ اور بے شک میں بے جا ہوں جن کی شریک بناتے ہو (۱۹) جن کی

آئیۃہم الکتب یعرفون؛ کما یعرفون ابناءہم الذین خسروا

ہے وہی ہے وہی کتاب، پڑھانے والے ہیں اس نئی کو جیسا کہ لوگ اپنے بچوں کو پڑھانے... جنہوں نے غارت کیا

الفسہم فہم لا یؤمنون ۲۰ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ

اپنا، تو وہی نہیں مانتے (۲۰) اور اس سے زیادہ ظالم کون، جس نے بے جا خدا پر اے اللہ پر

کذباً او کذباً بآیتہ اذ لا یقلہ الظالمون ۲۱ و یوم نحشہم

جھوٹا، اور جھوٹا لایا اس کی آیتوں کو۔ بے شک ظالم نجات نہ پائیں گے (۲۱) اور جس دن ہم ان سب

جیبعائتم نقول للذین اشکروا این شاکرکم الذین کنتم

کو دعا کر لائیں گے، دین ہم کہیں گے انہیں جنہوں نے شکر کیا، کہ کون ہیں تمہارے شریک بنائے ہو جن پر

ترعون ۲۲ ثم کم تکتن فتنتہم الا ان قالوا واللہ ربنا ما کنا

دعا کرتے تھے (۲۲) دین نہ رہے ان کی کوئی شہادت، مگر یہ کہہ لیں، “کس سے ہے اے اللہ کی ہماری پروردگار، ہم تو

مشرکین ۲۳ انظر کیف کذبوا علی انفسہم و ضل عنہم ما

مشرک نہ تھے” (۲۳) دیکھو کس نے اپنے اوپر جھوٹ بولی۔ اور گم ہو گئے ان سے جو

کانوا یفترون ۲۴ ومنہم من یسمع الیک وجعلنا علی قلوبہم

گناہ کرتے تھے (۲۴) اور انہیں بے جا بولی ہے کہ کان لگا ہے تمہاری طرف، اور ڈال دیا ہم نے ان کے دلوں پر

اکتۃ ان یفقهوہ و فی اذانہم و قرأ وان یروا کلاً ایۃ لا

گواہی کہ سمجھ سکیں، اور ان کے کانوں میں ڈالتے۔ اور اگر وہ ساری نشانیاں دیکھ لیں، تو وہی ان سے نہ

یؤمنوا بہا حتیٰ اذا جاءوک یجادلونک یقول الذین کفروا

مانیں۔ یہاں تک کہ جب آئے تمہارے پاس، تو وہی لڑتے ہیں تم سے کافر لوگ، کہتے ہیں

ان ہذا الا اساطیر الاولین ۲۵ و ہم ینہون عنہ و ینعون

کہ یہی ہے انہوں نے پہلے لوگوں کی اساطیر (۲۵) اور وہی روکتے ہیں اور بھڑکتے ہیں

عنہ وان یرہکون الا انفسہم وما یشعرون ۲۶ ولو ترى اذ

انہیں نہیں دکھائے کہ وہی انہیں دکھائے، اور پڑھانے نہیں (۲۶) اور اگر دیکھو جب کہ

وَقِفُوا عَلَى النَّارِ فَقَالُوا لِيَلَيْتَنَا نُرَدُّ وَلَا نُكَذِّبُ بِآيَاتِ رَبِّنَا وَ

ખડે કર દિયે ગએ જહન્નમ પર તો ચીખે, એ કાશ હમ દોબારા ભેજે જાએ, ઓર અપને પરવરદિગારકી નિશાનિયોકો ન જુટલાએ, ઓર

كُنُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۲۷﴾ بَلْ بَدَّ لَهُمْ مَا كَانُوا يُخْفُونَ مِنْ قَبْلُ

મુસલ્માન હો જાએ (૨૭) બલ્કિ આહિર હો ગયા ઉનકા જો પહલે છુપાતે થે.

وَلَوْ رُدُّوا لَعَادُوا لِمَا نُهُوا عَنْهُ وَإِنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ ﴿۲۸﴾ وَقَالُوا لَئِنْ هِيَ

ઓર અગર દોબારા ભેજે ગએ, તો દોબારા કરેંગે જિસસે રોકે ગએ, ઓર બેશક વોહ જુટે હે (૨૮) ઓર બોલે કિ નહીં હે યહ

الْأَحْيَاءُ ثَنَا الدُّنْيَا وَمَا نَحْنُ بِسَبْعَوْتَيْنِ ﴿۲۹﴾ وَلَوْ تَرَىٰ إِذْ وَقَفُوا عَلَىٰ

મગર હમારી યહી દુન્યાવી જિન્દગી, ઓર હમ ઉઠાએ ન જાએંગે (૨૯) ઓર અગર દેખો જબકિ ખડે કિયે ગએ અપને

رَبِّهِمْ قَالِ الْيَسَّ هَذَا يَا حَقِّقٌ قَالُوا بَلَىٰ وَرَبِّنَا قَالَ فَذُوقُوا

પરવરદિગાર કે હુજૂર, ફરમાયા કિ “ક્યા યહ હક નહીં?” બોલે “હાં હક હે, કસમ હે અપને પરવરદિગારકી.” ફરમાયા “તો યખો

الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْفُرُونَ ﴿۳۰﴾ قَدْ خَسِرَ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِ اللَّهِ

અઝાબ ! જો ઈન્કાર કિયા કરતે થે” (૩૦) બેશક ઘાટેમં રહે જિન્હોને જુટલાયા અલ્લાહસે મિલનેકો,

حَتَّىٰ إِذَا جَاءَتْهُمْ السَّاعَةُ بَغْتَةً قَالُوا لَوْ لَمْ نَحْنُرْنَا عَلَىٰ مَا فَرَطْنَا فِيهَا

યહાં તક કિ જબ આ ગઈ ઉનકે પાસ કયામત, અયાનક ચિલ્લાએ કિ હાએ અફસોસ, ઈસ પર કિ હમને કોતાહીકી ઉસકે બારેમં,

وَهُمْ يَحْمِلُونَ أَوْزَارَهُمْ عَلَىٰ ظُهُورِهِمْ أَلْسَاءٌ مَا يَزُرُونَ ﴿۳۱﴾ وَمَا

ઓર વોહ ઉઠાએ હે અપને બોલ અપની પીઠ પર. અરે કિતના બુરા બોલ લાદે હે (૩૧) ઓર નહીં

الْحَيَاةَ الدُّنْيَا إِلَّا لَعِبٌ وَهُوَ وَلَدَّارُ الْآخِرَةِ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ يَتَّقُونَ

હે દુન્યાવી જિન્દગી મગર ખેલ ફૂદ. ઓર બેશક આબિરતવાલા ઘર બેહતર હે ઉનકે લિયે જો ડરે.

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۳۲﴾ قَدْ تَعْلَمُ إِنَّ لِي جُزْءًا مِمَّا يُعْمَلُ فَرَأَيْتُمْ

તો ક્યા તુમ લોગ નહીં સમજતે (૩૨) હમકો મા'લૂમ હે, કિ બેશક તુમકો રંજ હોતા હે જો યહ લોગ બકતે હે. તો યકીનન યહ

لَا يُكذِّبُوكَ وَلَكِنَّ الظَّالِمِينَ بِآيَاتِ اللَّهِ يَجْحَدُونَ ﴿۳۳﴾ وَلَقَدْ

તુમકો નહીં જુટલાતે, લેકિન આલિમ લોગ અલ્લાહકી નિશાનિયોકા ઈન્કાર કરતે હે (૩૩) ઓર બેશક

كذبت رسل من قبلك فصبروا على ما كذبوا وأودوا حتى

જુટલાએ ગએ રસૂલ તુમસે પહલેકે, તો સબ ને સબ્ર કિયા ઈસ પર કિ જુટલાએ ગએ, ઓર દુખ દિયે ગએ, યહાં તક

أَتَاهُمْ نَصْرًا وَلَا مَبَدَّلَ لِكَلِمَاتِ اللَّهِ وَلَقَدْ جَاءَكَ مِنْ نَبِيِّ

कि आ गઈ उनके पास हमारी मदद. कोई नहीं बदलनेवाला अल्लाहकी बातोंका, और बेशक आ चुकी हैं तुम्हारे पास

الْمُرْسَلِينَ ۝ وَإِنْ كَانَ كِبْرُ عَلَيْكَ إِعْرَاضُهُمْ فَإِنْ اسْتَطَعْتَ

रसूलोंकी भबरे (३४) और अगर गिरां गुजरा तुम्हें उनका ई-कार, तो अगर तुम अज भुद सकत रभते हो

أَنْ تَبْتَغِيَ نَفَقًا فِي الْأَرْضِ أَوْ سَلْمًا فِي السَّمَاءِ فَتَأْتِيَهُمْ بِآيَةٍ

कि ढूँढ निकालो कोई सुरंग जमीनमें, या सीढी आस्मानमें, फिर भुदसे ले आओ उनके पास कोई निशानी.

وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَجَمَعَهُمْ عَلَى الْهُدَىٰ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْجَاهِلِينَ ۝

हालांकि अगर अल्लाह चाहा, तो सबको छिदायत पर जमा कर देता. तो तुम जाहिलोंके साथ मत रहो (३५)

إِنَّمَا يَسْتَجِيبُ الَّذِينَ يَسْمَعُونَ وَالْمَوْتَىٰ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ ثُمَّ إِلَيْهِ

भात वोही कबूल करते हैं जो सुनते हैं... और उन मरे हुओंको उठायेगा अल्लाह, फिर उसीकी तरफ

يُرْجَعُونَ ۝ وَقَالُوا لَوْلَا نُزِّلَ عَلَيْهِ آيَةٌ مِنْ رَبِّهِ قُلْ إِنَّ اللَّهَ

वोटाये जायेगे (३६) और सब बोले कि क्यूंनहीं उतारी गई उन पर कोई अजबकी निशानी उनके परवरदिगारकी तरफसे, केड दो कि बेशक अल्लाह

قَادِرٌ عَلَىٰ أَنْ يُنْزِلَ آيَةً وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ۝ وَمَا مِنْ

कादिर है उस पर कि उतार दे निशानी अजबकी, लेकिन उनके ज़्यादा लोग बेईम हैं (३७) और कोई

دَابَّةٍ فِي الْأَرْضِ وَلَا طَيْرٍ يَطِيرُ بِجَنَاحَيْهِ إِلَّا أُمَّةٌ أَمْثَلَكُمْ مَا

यरिन्द नहीं जमीनमें, और कोई परिन्द नहीं जो अपने बाजूओं पर उडता है, मगर अेक अेक नौअ तुम्हारी तरह.

فَرَطْنَا فِي الْكِتَابِ مِنْ شَيْءٍ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِمْ يُحْشَرُونَ ۝ وَالَّذِينَ

हमने नहीं छोडा किताबमें कुछ, फिर अपने परवरदिगारकी तरफ यह सब हांके जायेगे (३८) और जिन्दोंने

كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا صُمْ وَبِكُمْ فِي الظُّلُمَاتِ مِنْ يَتَّبِعُ اللَّهُ يُضَلِّلهُ

जुटलाया हमारी निशानियोंकी, भडरे और गूंगे, अंधेरियोंमें है. जिसे अल्लाह चाहे उसकी गुमराही जादिर कर दे.

وَمَنْ يَشَأْ يُجْعَلْهُ عَلَىٰ صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝ قُلْ أَرَأَيْتُمْ إِنْ

और जिसे चाहे उसकी सीधी राह पर लगा दे (३९) पूछो, कि भताओ अगर

أَتاكم عَذَابُ اللَّهِ أَوْ أَتَتْكُمُ السَّاعَةُ أَغَيَّرَ اللَّهُ تَدْعُونَ ۝ إِنْ

आ गया तुम पर अल्लाहका अजब, या आ गई तुम पर कयामत, क्या अल्लाहके गैरकी पुकारोगे ? अगर

التحريف

تدوير

تدوير

كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿۴۰﴾ بَلْ إِيَّاهُ تَدْعُونَ فَيَكْشِفُ مَا تَدْعُونَ

सत्ये हो (४०) बल्कि उसी अल्लाहको पुकारोगे, तो वोह दूर कर दे जिस मुसीबतके लिये पुकारते हो

إِلَيْهِ إِنْ شَاءَ وَتَنْسَوْنَ مَا تُشْرِكُونَ ﴿۴۱﴾ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا إِلَىٰ آلِهِم

अगर चाहे, और जिनको अल्लाहका शरीक बनाते हो उन्हें भूल जाओगे (४१) और बेशक भेजा रसूल हमने उम्मतोंकी

مِّن قَبْلِكَ فَآخَذْنَا مِنْهُم بِالْبَأْسَاءِ وَالضَّرَّاءِ لَعَلَّهُمْ يَتَضَرَّعُونَ ﴿۴۲﴾

तरफ़ तुमसे पहले, फिर पकड़ा हमने उनको भौंड़नाक बला और दर्दनाक भीमारीसे, कि वोह कहीं गिडगिडा पड़ें (४२)

فَلَوْلَا إِذْ جَاءَهُمْ بَأْسُنَا تَضَرَّعُوا وَلَكِنْ قَسَتْ قُلُوبُهُمْ وَزَيَّنَ

तो क्यूं न जब आ गया उन पर हमारा अजाब तो गिडगिडा उठे. लेकिन सभ्त हो गये हैं उनके दिल, और हुनर बना दिया

لَهُمُ الشَّيْطَانُ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۴३﴾ فَلَمَّا نَسُوا مَا ذُكِّرُوا بِهِ فَتَحْنَا

उनकी निगाहमें शैतानने जो वोह ऐब करते थे (४३) फिर जब भूल ही गये जो उनको नसीहतकी गर्थ थी, तो भोल दिये हमने

عَلَيْهِمْ أَبْوَابَ كُلِّ شَيْءٍ حَتَّىٰ إِذَا فَرِحُوا بِآسَاءِ أَوْثُوا آخَذْنَا مِنْهُمُ

उन पर दर थीजके दरवाजे, यहाँ तक कि जब भुश हो गये उससे जो दे दिया गया उन्हें, तो पकड़ा हमने उनको

بَعْتَهُمْ فَاذَاهُمْ مُبِلِّسُونَ ﴿۴४﴾ فَقَطَّعَ دَائِرَ الْقَوْمِ الَّذِينَ ظَلَمُوا

अथानक, तो अब वोह बेआस हैं (४४) फिर काट दी गर्थ जड आविम कौमकी.

وَالْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۴५﴾ قُلْ أَرَأَيْتُمْ إِنْ أَخَذَ اللَّهُ سَمْعَكُمْ

और सारी भूबियां अल्लाहके लिये हें परवरदिगार सारे जलानका (४५) पूछो, कि “यह बताओ कि अगर ले ले अल्लाह तुम्हारे कान

وَأَبْصَارَكُمْ وَخَمَكُمْ عَلَىٰ قُلُوبِكُمْ مِّنْ إِلَٰهِ غَيْرِ اللَّهِ يَأْتِيَكُمْ بِهِ ۗ

और तुम्हारी आंभें और मोहर लगा दे तुम्हारे दिलों पर, तो कौन मा'बूद है अल्लाहका गैर जो तुम्हारे लिये सब ला दे ?”

أَنْظُرْ كَيْفَ نَصَرَفُ الْآيَاتِ ثُمَّ هُمْ يَصْذَقُونَ ﴿۴६﴾ قُلْ أَرَأَيْتُمْ

देभो कि किस तरहसे हम आयतें पेश करते हैं, फिर वोह लोग इगर्दा रहते हैं (४६) पूछो, कि “यह बताओ कि

إِنْ أَتَاكُمْ عَذَابُ اللَّهِ بَعْتَهُ أَوْ جَهْرَةً هَلْ يُهْلِكُ إِلَّا الْقَوْمَ

अगर आ पडा अल्लाहका अजाब तुम पर बेबताये, या भुलेबन्द, तो कौन हलाक किया जाओगा सिवा आविम

الظَّالِمُونَ ﴿۴७﴾ وَمَا نُرْسِلُ الْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ

कौमके ?” (४७) और हम नहीं भेजते रसूलोंको, मगर मुज्दहा सुनाते और डराने.

فَسَنَ أَمِنَ وَأَصْلَحَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۶۸﴾

तो जो मान गया, और दुरुस्त बन गया, तो न कोर डर उसे, और न वोड रञ्छदा छों (४८) और

الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا يَسْهُمُ الْعَذَابُ بِمَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿۶۹﴾

जिन्होंने जुटलाया हमारी आयतें, तो विपटेगा उन्हें अजाब, क्यूंकि वोड नाकरमान हैं (४८)

قُلْ لَا أَقُولُ لَكُمْ عِنْدِي خَزَائِنُ اللَّهِ وَلَا أَعْلَمُ الْغَيْبَ وَلَا

केड दो, कि “में तुमसे न यड कछुं कि मेरे ही पास अल्लाडके भजाने हैं, और न यड कि में गैब ही जानता हूं, और न

أَقُولُ لَكُمْ إِنِّي مَلَكٌ إِنْ أَتَيْتُمُونِي بِالْأَمْثَالِ فَأْتُوا بِنُجْمٍ أَوْ كَلِمَةٍ

तुमसे यड कछुं कि मैं करिश्ता हूं. नहीं है मेरा कोर केंल व कौल मगर जो वही भेज गछ मुज तक.” पूछो, कि “क्या बराबर हैं

۶۹

الْأَعْلَى وَالْبَصِيرُ أَفَلَا تَتَفَكَّرُونَ ﴿۷۰﴾ وَأَنْذِرِ الَّذِينَ يَخْافُونَ

अंधे और अंधियारे ?” तो क्या नहीं सोचते (५०) और उराओ उससे उन्हें जो भौंफ करें,

أَنْ يُشْرُوا إِلَىٰ رَبِّهِمْ لَيْسَ لَهُمْ مِنْ دُونِهِ وَلِيٌّ وَلَا شَفِيعٌ

कि डशर किये जाअे अपने परवरदिगारकी तरफ. कि नहीं है उसके सिवा उनका कोर मददगार और न सिफारिशी,

لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۷۱﴾ وَلَا تَطْرُدِ الَّذِينَ يَدْعُونَ رَبَّهُمْ بِالْغَدَاةِ

कि वोड परडेजगार हो जाअे (५१) और न निकावो उन्हें जो पुकारें अपने परवरदिगारको सुब्दो

وَالْعَثَىٰ يُرِيدُونَ وَجْهَ ط مَا عَلَيْكَ مِنْ حِسَابِهِمْ مِنْ شَيْءٍ

शाम, तालिभे जात हो कर. न तुम पर उनका कुछ हिसाब है,

وَمَا مِنْ حِسَابِكَ عَلَيْهِمْ مِنْ شَيْءٍ فَتَطْرُدَهُمْ فَتَكُونَ مِنَ

और न तुम्हारा कुछ हिसाब उन पर है. अब उनको निकाल दो तो

الظَّالِمِينَ ﴿۷۲﴾ وَكَذَلِكَ فَتَنَّا بَعْضَهُمْ بِبَعْضٍ لِيَقُولُوا أَهَؤُلَاءِ

भेजा डोगा (५२) और ठसी तरडसे डमने कित्ता करार दे दिया उनमेंसे अक को दूसरेके लिये, ताकि बका करें कि यही

مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِمْ مِنْ بَيْنِنَا أَلَيْسَ اللَّهُ بِأَعْلَمَ بِالشَّاكِرِينَ ﴿۷۳﴾

नादार हैं जिन पर अेडसान करमाया अल्लाडने डममेंसे. क्या अल्लाड शुक्रगुजारोंको नहीं जानता ?” (५३)

وَإِذَا جَاءَكَ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِآيَاتِنَا فَقُلْ سَلَامٌ عَلَيْكُمْ كَتَبَ

और जब आ गअे तुम्हारे पास वोड, जो हमारी आयतोंकी मानें, तो कछो कि तुम पर सलाम है. लिख दिया

رَبِّكُمْ عَلَىٰ نَفْسِهِ الرَّحْمَةَ ۗ إِنَّهُ مَن عَمِلَ مِنكُمْ سُوءًا بِجَهَالَةٍ

तुम्हारे परवरदिगारने अपने करम पर रहमतको, कि बिलाशुभल जिसने तुममेंसे कर लिया भुरा काम नादानीसे,

ثُمَّ تَابَ مِن بَعْدِهَا وَأَصْلَحَ فَأَنَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۵۷﴾ وَكَذَلِكَ نُفَصِّلُ

फिर तोबा कर ली उसके बा'द, और दुरस्त हो गया, तो बेशक अल्लाह गफूररहीम है (५४) और इसी तरहसे हम आयातों

الآيَاتِ وَلِتَسْتَبِينَ سَبِيلُ النَّجْرِيِّينَ ۗ قُلْ إِنِّي نُهِيتُ أَنْ

की तर्फसील करते हैं, और ताकि आडिर हो जाअे मुजरिम लोगोंका तरीका (५५) बता दो कि बेशक मैं रोका गया हूँ उससे कि

أَعْبُدَ الَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ اللَّهِ ۗ قُلْ لَّا أَتَّبِعُ أَهْوَاءَكُمْ

पूजूँ उनसे कि तुम जिनकी दृडाई देते हो अल्लाहको छोड कर, केह दो, कि “मैं तुम्हारे भयावातका ताबेअ नहीं हूँ.

قَدْ ضَلَلْتُ إِذًا وَمَا أَنَا مِنَ الْمُهْتَدِينَ ۗ قُلْ إِنِّي عَلَىٰ بَيِّنَةٍ

कि ऐसा हो तो मैं भडक गया, और राह पर न रहा” (५६) कडो, कि “बेशक मैं अपने परवरदिगारकी

مِّن رَّبِّي وَكَذَّبْتُمْ بِهِ ۗ مَا عِندِي مَا تَسْتَعْجِلُونَ بِإِن الْحُكْمُ

रौशन दलील पर हूँ, और तुमने उसको जुटवा दिया. मेरे पास वोह अजाब नहीं जिसकी तुमको जल्दी है.” हुकम है बस

إِلَّا لِلَّهِ يَقُصُّ الْحَقُّ وَهُوَ خَيْرُ الْفَصِلِينَ ۗ قُلْ لَّوْ أَن عِندِي

अल्लाहका. बता देता है डक, और बेहतर फैसला फरमानेवाला है (५७) केह दो, कि “अगर मेरे ही पास होता

مَا تَسْتَعْجِلُونَ بِهِ لَفُضِيَ الْأَمْرُ بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۗ وَاللَّهُ أَعْلَمُ

वोह अजाब जिसकी जल्दी मया रहे हो, तो अपने और तुम्हारे दरमियान फैसला कर दिया गया होता.” और अल्लाह ज्ञाता है

بِالظَّالِمِينَ ۗ وَعِنْدَهُ مَفَاتِحُ الْغَيْبِ لَا يُعَلِّمُهَا إِلَّا هُوَ وَيَعْلَمُ

आलिमोंको (५८) और उसीके पास हैं गैबकी कुन्जियां. नहीं बताता मगर वोही. और वोह जानता है

مَا فِي الْبُرِّ وَالْبَحْرِ ۗ وَمَا تَسْقُطُ مِنَ وَرَقَةٍ إِلَّا يَعْلَمُهَا وَلَا حَبَّةٌ فِي

जो कुछ पुरकी और तरीमें है. और नहीं गिरता कोर पत्ता, मगर वोह उसको जानता है, और न कोर दाना

ظَلَّتِ الْأَرْضُ وَلَا رَطْبٌ وَلَا يَأْسٌ إِلَّا فِي كِتَابٍ مُّبِينٍ ۗ وَ

अमीनकी अंधेरियोंमें, और न तर और न पुरक, मगर सब अेक रौशन किताबमें है (५९)

هُوَ الَّذِي يَتَوَفَّاكُم بِاللَّيْلِ وَيَعْلَمُ مَا جَرَحْتُم بِالنَّهَارِ ۗ ثُمَّ يَبْعَثُكُمْ

वोह ऐसा है, कि वक़त देता है तुमको रातमें, और जानता है जो तुम दिनमें कमा युके हो, फिर तुमको जगा उठाता है,

فِيهِ لِيُقْضَىٰ أَجَلٌ مُّسَمًّى ۖ ثُمَّ إِلَيْهِ مَرْجِعُكُمْ ثُمَّ يُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنتُمْ

ताकि पूरी कर दी जाये भीआद मुकरर. फिर उसीकी तरफ तुम्हारा लौटना है, फिर बता देगा तुमको जो

تَعْمَلُونَ ۖ وَهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ وَيُرْسِلُ عَلَيْكُمْ حَفَظَةً ۗ

कर रहे थे (६०) और वोह जबरदस्त है अपने बन्दों पर, और भेजता है तुम पर निगरांकार,

حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ أَحَدَكُمُ الْمَوْتُ تَوَفَّتْهُ رُسُلُنَا وَهُمْ لَا يُفْرِطُونَ ۝۶۱

यहां तक कि जब आ गे तुममेंसे किसीकी मौत, तो उत्र पूरी कर दी उसकी हमारे कासिदोंने, और वोह कोताही नहीं करते (६१)

ثُمَّ رُدُّوْا إِلَى اللَّهِ مَوْلَاهُمُ الْحَقُّ ۗ أَلَا لَهُ الْحُكْمُ وَهُوَ أَسْرَعُ

फिर लौटा दिये गये अल्लाहकी तरफ, उनका हीकी मौला. सुन रभो कि हुकम उसीका है... और वोह जल्द

الْحَسِبِينَ ۝۶۲ قُلْ مَنْ يُنْجِيكُمْ مِّنْ ظُلُمَاتِ الْبَرِّ وَالْبَحْرِ تَدْعُونَهُ

हिसाब इरमानेवाला है (६२) पूछो कि कौन नजात देता रहता है तुम्हें भुशकी और तरीके अंधेरोसे,

تَضَرَّعًا وَخَفِيًّا ۚ لِّئِنِ أُنْجَبْنَا مِنْ هَذِهِ لَنَكُونَنَّ مِنَ الشَّاكِرِينَ ۝۶۳

जिससे हुआ करते हो गिडगिडा कर और थुपके, कि अगर ठस बलासे नजात दे दी, तो हम जरूर शुक्र गुजार होंगे (६३)

قُلِ اللَّهُ يُنْجِيكُمْ مِنْهَا وَمِنْ كُلِّ كَرْبٍ ثُمَّ أَنْتُمْ مُشْرِكُونَ ۝۶۴

बता दो कि अल्लाह नजात देता है तुमको उससे और हर मुसीबतसे, फिर तुम शरीक बनाते हो (६४) केड दो

هُوَ الْقَادِرُ عَلَىٰ أَنْ يَبْعَثَ عَلَيْكُمْ عَذَابًا مِّنْ فَوْقِكُمْ أَوْ مِّنْ

कि वोह कादिर है ठस पर कि भेज दे तुम पर अजाब, ठीपरसे और

تَحْتِ أَرْجُلِكُمْ أَوْ يَلْبَسَكُمْ شِيعًا وَيُذِيقَ بَعْضَكُمْ بَأْسَ بَعْضٍ ۗ

पांव तलेसे, या कर दे तुमको शयआ शयआ, और मजा यभा दे अकको हूसरेकी लडाईका.

أَنْظُرْ كَيْفَ نَصَرَفُ الْآيَاتِ لَعَلَّهُمْ يَفْقَهُوْنَ ۝۶۵ وَكَذَّبَ بِهٖ قَوْمُكَ

देभो कि हम किस तरफ, तरफ तरफसे आयतों बताते हैं कि वोह समजसे काम लें (६५) और जुटलाया उसको तुम्हारी कौमने

وَهُوَ الْحَقُّ ۗ قُلْ لَسْتُ عَلَيْكُمْ بِوَكِيلٍ ۝۶۶ لِكُلِّ نَبِيٍّ مَّسْتَقَرٌّ وَسَوْفَ

हालांकि वोह हक है. साफ़ केड दो कि मैं तुम्हारा जिम्मेदार नहीं हूँ (६६) हर बातका वक्त है. और जल्द

تَعْلَمُونَ ۝۶۷ وَإِذَا رَأَيْتَ الَّذِينَ يَخُوضُونَ فِي آيَاتِنَا فَأَعْرِضْ

तुम जान लोगे (६७) और जब तुम देभ पाये उनको, जो नुकताथीनी करें हमारी आयतोंमें, तो मुंड करे लो

عَنْهُمْ حَتَّىٰ يَخُوضُوا فِي حَدِيثٍ غَيْرِهِ ۗ وَإِقَابٌ يُسَيِّتُكَ الشَّيْطَانُ

उनसे, यहां तक कि लग जाये किसी दूसरी बातमें. और अगर सुनावा देते तुमको शैतान,

فَلَا تَقْعُدْ بَعْدَ الذِّكْرِیٰ مَعَ الْقَوْمِ الظَّالِمِیْنَ ۗ وَمَا عَلَى الَّذِينَ

तो न बैठो याद आ जाने पर जालिम क्रोमके साथ (६८) और उन पर जो

يَتَّقُونَ مِنْ حِسَابِهِمْ مِنْ شَيْءٍ ۚ وَلَٰكِنْ ذَكَرُوا لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ۙ

तकवा शिआर हैं कुछ सवाल नहीं, लेकिन नसीहत कर देना, कि वोड डर जाओ (६८)

وَذَرِ الَّذِينَ اتَّخَذُوا دِينَهُمْ لَعِبًا ۖ وَلَهُمْ آخِرَتُهُمُ الْحَيٰوةُ الدُّنْيَا

और उन्हें छोडो जिन्होंने बना लिया अपना दीन भेवकूद, और धोका दे दिया उनको दुन्यावी जिन्दगीने,

وَذَكَرِيَةً ۚ اِنْ تُبَسَّلْ نَفْسٌ بِمَا كَسَبَتْ ۗ لَيْسَ لَهَا مِنْ دُونِ

और कुरआनसे नसीहत दो, कि कोरि उलाकतमें डाल दिया गया अपने करतूतकी वजहसे, न रह गया उसका बनाया हुआ अल्लाहको छोड

اللّٰهِ وَاٰلٍ ۗ وَلَا شَفِیْعَ ۚ وَاِنْ تَعَدَلَ كُلُّ شَاۡءٍ لَّا يُؤَخِّدُ مِنْهَا ۗ

कर महदगार न सिफारशी. और अगर अपना मुआवजामें दे सारे भदले तो लिया न जाये.

اُولٰٓئِكَ الَّذِينَ اُبْسَلُوْا بِمَا كَسَبُوْا ۗ لَهُمْ شَرَابٌ مِّنْ حَمِيْمٍ ۚ

वोड हैं जो उलाक कर दिये गये अपने करतूतोंसे. उनके लिये पीनेको भौलता पानी और

عَذَابٌ اَلِيْمٌ ۚ بِمَا كَانُوْا يَكْفُرُوْنَ ۗ قُلْ اِنْتَدِعُوْا مِنْ دُوْنِ اللّٰهِ

दुभ देनेवाला अजाब है. सजा है उसकी जो कुफ्र किया करते थे (७०) केड दो कि क्या डम दुडारि हैं तुमडारे, अल्लाहको छोड कर,

مَا لَا يَنْفَعُنَا وَلَا يَضُرُّنَا وَنُرُدُّ عَلَىٰٓ اَعْقَابِنَا ۚ بَعْدَ اِذْ هَدٰنَا اللّٰهُ

बनाओको? जो न डमारा बना सकें न बिगाड सकें, और उलटे रुप पलटा दिये जाओ, भा'द एसके कि उदायत दे ही डमको अल्लाहने,

كَالَّذِي اسْتَهْوَتْهُ الشَّيْطٰنُ فِي الْاَرْضِ حَيْرٰنًا ۗ لَئِذَا صٰبَ

जैसे वोड जिसको किसला कर कर दिया शैतानोंने जमीनमें डैरतजदा. एसके कुछ लोग हैं

يَدْعُوْنَ اِلَى الْهُدٰى اِنْتَنَا ۗ قُلْ اِن هَدٰى اللّٰهُ هُوَ الْهُدٰى ۗ

जो एसे बुवा रहे हैं डिदायतकी तरफ, कि डमारे पास आ जाओ. केड दो कि अल्लाहकी डिदायत ही तो डिदायत है.

وَاْمُرْنَا لِلسَّلٰمِ لِرَبِّ الْعٰلَمِیْنَ ۗ وَاَنْ اَقِمْوْا الصَّلٰوةَ وَاتَّقُوْا ۗ

और डमें डुकम दिया गया, कि डम गरदन जुफ्र हैं सारे जडानके परवरदिगारके लिये (७१) और याड कि नमाज अरुभरभो और अल्लाहसे डरते रहो.

هُوَ الَّذِي إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ﴿۴۲﴾ وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ

वोह है जिसकी तरफ तुम्हारा डशर किया जाअेगा (७२) वोही है जिसने पैदा करमाया आस्मानों और

الْأَرْضَ بِالْحَقِّ وَيَوْمَ يَقُولُ كُنْ فَيَكُونُ ۚ قَوْلُهُ الْحَقُّ وَلَهُ

जमीनको बिल्कुल ठीक. और जिस दिन करमाअेगा कि हो जा, तो हो जाअेगा जो न रहा होगा... उसकी बात डक है. और उसीकी

الْمُلْكُ يَوْمَ يُنْفَخُ فِي الصُّورِ عِلْمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ ۚ وَهُوَ

डुकूमत है जिस दिन ईंका जाअेगा सूरमें. गैब व शहादतका जाननेवाला. और वोही

الْحَكِيمُ الْخَيْرُ ﴿۴۳﴾ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ لِأَبِيهِ إِزْرًا أَتَتَّخِذُنَا صَنَامًا

डिकूमतवाला भबरदार है (७३) और जबकि कडा ठब्राहीमने अपने बाबा आउरको, कि क्या बनाते हो भुतोंको

الهِفَاءَ إِنِّي آنرِكَ وَقَوْمِكَ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۴۴﴾ وَكَذَلِكَ نُرِي إِبْرَاهِيمَ

मा'भूड ? भेशक मेरी रायमें तुम और तुम्हारी कौम भुली गुमराहीमें है (७४) और ठसी तरड दिभाते हैं डम ठब्राहीम

مَلَكَوَتِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَلَيَكُونَنَّ مِنَ الْمُتَوَقِّينَ ﴿۴۵﴾ فَلَمَّا جَنَّ

को मस्विकत आस्मानोंकी और जमीनकी, और ताकि यशमदीड यकीन करनेवालोंसे हो जाअें (७५) पस जब ढा गर्थ

عَلَيْهِ اللَّيْلُ رَأَى كَوْكَبًا قَالَ هَذَا رَبِّي ۖ فَلَمَّا أَفَلَ قَالَ لَأَجِبُّ

उन पर रात, अेक तारेको देभा और कडा, "ई यड डमारा परवरदिगार है", डिर जब वोड डूभ गया, कडा, "में डूभनेवालोंको

الْأَفْلِينَ ﴿۴۶﴾ فَلَمَّا رَأَى الْقَمَرَ بَازِعًا قَالَ هَذَا رَبِّي ۖ فَلَمَّا أَفَلَ قَالَ لَئِن

पस-ड नहीं करता" (७६) डिर जब देभा यांइको यमकता, कडा "अखण यड है डमारा परवरदिगार", डिर जब डूभ गया, तो कडा, कि "भेशक अगर

لَمْ يَهْدِنِي رَبِّي لَأَكُونَنَّ مِنَ الْقَوْمِ الضَّالِّينَ ﴿۴۷﴾ فَلَمَّا رَأَى الشَّمْسَ

राड न देता मुजको मेरा परवरदिगार, तो में जउर गुमराड कौमसे हो जाता" (७७) डिर जब देभा आइताभको

بَازِعَةً قَالَ هَذَا رَبِّي ۖ هَذَا أَكْبَرُ ۖ فَلَمَّا أَفَلَتْ قَالَ يُعْمِرُ لِأَبِي

यमकता लुवा, कडा "अइवड यड है डमारा परवरदिगार", यड "भडोत भडा है." डिर जब वोड डूभ गया, "कडा अै कौम भेशक में

بِرِّي ۖ مِمَّا شَرَكُونَ ﴿۴۸﴾ إِنِّي وَجَّهْتُ وَجْهِيَ لِلَّذِي فَطَرَ السَّمَوَاتِ

भेजार डूं उनसे जिनको तुम शरीक ठडराते हो (७८) भेशक में मुतवज्जेड कर युका यकसू हो कर, अपने रुपको उसकी तरफ जिसने पैदा

وَالْأَرْضِ حَنِيفًا وَمَا أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿۴۹﴾ وَحَاجَّهُ قَوْمُهُ قَالَ

करमाया आस्मानोंको और जमीनको, और में मुश्रिकीनसे नहीं डूं" (७९) और डुजजत लडाई उनसे उनकी कौमने, तो कडा

أَمْ حَاجُّونِي فِي اللَّهِ وَقَدْ هَدِينُ وَلَا أَخَافُ مَا تُشْرِكُونَ بِهِ إِلَّا

कि क्या छुज्जतभाजी करते हो मुजसे अल्लाहके बारेमें, हावांकि वोह मुजे राह दे युका, और में डरता ही नहीं उनको जिनको

أَنْ يَشَاءَ رَبِّي شَيْئًا وَسِعَ رَبِّي كُلَّ شَيْءٍ عِلْمًا أَفَلَا تَتَذَكَّرُونَ ﴿۷۰﴾

हुमशरीककछरोतोये मगर यडकिभेसापरवरदिगारही कुगुयाडे एगया उभारेपरवरदिगारअथलमडरथीजपर, तोक्याहुमवोपनश्रीकनहींअखिलकरते? (८०)

وَكَيفَ أَخَافُ مَا أَشْرَكْتُمْ وَلَا تَخَافُونَ أَنَّكُمْ أَشْرَكْتُمْ بِاللَّهِ مَا

और में डेसे डउं उसे जिसको तुमने शरीक बना लिया डे? हावांकि तुमको डर नहीं लगता कि तुमने अल्लाहका शरीक उसको बना रभा डे

لَمْ يُنَزَّلْ بِهِ عَلَيْكُمْ سُلْطَانًا فَأَيُّ الْفَرِيقَيْنِ أَحَقُّ بِالْأَمْنِ إِنْ

जिसकी उसने नहीं नाजिल करमाई कोई सनद. “तो डर दो फरीकमें अमनका डकदार कौन डे?” भोवो “अगर

كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۷۱﴾ الَّذِينَ آمَنُوا وَلَمْ يَلْبِسُوا إِيمَانَهُمْ بِظُلْمٍ أُولَئِكَ

थलमका दा'वा रभते डो”.. (८१).. जो लोग थमान लाअे और न मिलाया अपने थमानको भातिलके साथ, वोह कि उन्ही

لَهُمُ الْآمَنُ وَهُمْ مُهْتَدُونَ ﴿۷۲﴾ وَتِلْكَ حُجَّتُنَا آتَيْنَاهَا إِبْرَاهِيمَ عَلَى

के लिये अमन डे और वोही राह पाअे डें (८२) और यड डमारी जती भात डे, जो डी थी डमने थभ्राहीमको उनकी

قَوْمِهِ نَرْفَعُ دَرَجَاتٍ مَّنْ نَّشَاءُ إِنْ رَبُّكَ حَكِيمٌ عَلِيمٌ ﴿۷۳﴾ وَهَبْنَا

कौम पर. डम भुलन्द करमाते डें डरजे जिसके याडें. भेशक तुम्हारा परवरदिगार डिकमतवाला थलमवाला डे (८३) और डिया डमने

لَنَا سُلْطَىٰ وَيَعْقُوبُ كُلًّا هَدَيْنَا وَنُوحًا هَدَيْنَا مِن قَبْلُ وَمِن

उनको थस्डक व या'कूब. सबको राह डी. और नूडको डम राह दे युके थे पडलेसे, और

ذُرِّيَّتِهِ دَاوُدَ وَسُلَيْمَانَ وَأَيُّوبَ وَيُوسُفَ وَمُوسَىٰ وَهَارُونَ ﴿۷۴﴾

उनकी नरलसे दावूड व सुलैमान व अयूब व यूसुफ व मूसा व हाउनको. और

كَذَلِكَ فَجَّرْنَا الْمُحْسِنِينَ ﴿۷۵﴾ وَزَكَرِيَّا وَيَحْيَىٰ وَعِيسَىٰ وَإِلْيَاسَ

थसी तरड डम अज डेते डें मुप्पिलस भन्डोंको (८४) और जकरिया व यडया व थसा व थल्यास,

كُلًّا مِّنَ الصَّالِحِينَ ﴿۷۶﴾ وَإِسْمَاعِيلَ وَالْيَسَعَ وَيُونُسَ وَلُوطًا وَكُلًّا

सभ भडी अडलियतवाले डें (८५) और थस्माथल वल यसअ व यूनुस व लूत. और

فَضَّلْنَا عَلَى الْعَالَمِينَ ﴿۷۷﴾ وَمِن آبَائِهِمْ وَذُرِّيَّاتِهِمْ وَإِخْوَانِهِمْ وَ

डमने सभको फजीलत डी थी दूसरों पर (८६) और भा'ज उनके भापदाडे और औलाड और भाथ लोग, और

اجْتَبَيْنَاهُمْ وَهَدَيْنَاهُمْ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۸۸﴾ ذَلِكُمْ هُدَى اللَّهِ

उमने उन्हें मकबूल बनाया और यला दिया उनको सीधी राह (८७) यह अल्लाहकी छिदायत है,

يَهْدِي بِهِ مَنْ يَشَاءُ مِنْ عِبَادِهِ وَلَوْ أَشْرَكُوا لَحَبِطَ عَنْهُمْ مَا كَانُوا

कि उसकी छिदायत करमा दे जिसे याहे अपने भन्दोंसे. और अगर शिक वोह करते, तो अकारत जाते जो उनके

يَعْمَلُونَ ﴿۸۹﴾ أُولَئِكَ الَّذِينَ آتَيْنَاهُمُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَ وَالنَّبُوءَةَ قَرَنًا

आ'माव थे (८८) वोह हैं जिन्हें ही उमने किताब और हुकूमत और नुबुवत, तो अगर

يَكْفُرُ بِهَا هَوَاجِرٌ فَقَدْ وَكَّلْنَا بِهَا قَوْمًا لَيَسُوءُنَّ بِهَا الْكُفْرِينَ ﴿۹۰﴾ أُولَئِكَ

ईन्कार कर दें ईसका यह लोग, तो उमने तैयार कर रमा है उसके लिये ऐसे लोग, जो ईन्कार करनेवाले नहीं (८८) वोह हैं

الَّذِينَ هَدَى اللَّهُ فِيهِمْ هُدًى قَدْ لَدَّ أَسْأَلَكُمْ عَلَيْهِ أَجْرًا

जिन्हें तरीका पर रमा अल्लाहने, तो उनके तरीके पर यला करो. केह दो कि उम नहीं याहते तुमसे ईस पर कोई उजरत.

۱۶۷-

إِنَّ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ ﴿۹۱﴾ وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ حَقَّ قَدْرِهِ إِذْ قَالُوا

यह नहीं है मगर नसीहत सारे जहानके लिये (८९) और नहीं करकी अल्लाहकी जो कद्र करनेका उक है, जबकि वोह बोल पडे

مَا أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَى بَشَرٍ مِنْ شَيْءٍ ۗ قُلْ مَنْ أَنْزَلَ الْكِتَابَ الَّذِي

कि नहीं उतारा अल्लाहने किसी ईन्सानकी चेहरेवाले पर कुछ. पूछो कि किसने नाजिल करमाई वोह किताब जिसको

جَاءَ بِهِ فَوْسِي نُورًا وَهُدًى لِلنَّاسِ لِيَجْعَلُونَ قَرَاطِيسَ تُبَدُّ وَنَزَّهَا

भूसा लाये, नूर और छिदायत लोगोंके लिये, बनाते रहते हो उसको जुदा जुदा कागज उसे आधिर करते हो

وَيُخْفُونَ كَثِيرًا وَعُلِّمْتُمْ قَالَهُ تَعْلَمُونَ أَنْتُمْ وَلَا آبَاءُكُمْ قُلْ اللَّهُ

और ज़्यादा छिस्सा छुपा डालते हो. और बताई गई तुमको वोह बातें, जिनको न तुम जानते थे न तुमडारे बापदादे. तुम्ही जवाब दो, कि "अल्लाह,"

تَمَّ ذَرَّهُمْ فِي خُوضِهِمْ يَلْعَبُونَ ﴿۹۲﴾ وَهَذَا كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ مَبْرُكٌ مُصَدِّقٌ

हिर उन्हेँ छोड दो कि अपनी उटथर्माका भेल भेला करें (९०) और यह किताब है उसको उमने नाजिल करमाया, भरकतवाली, तस्दीक करनेवाली,

الَّذِي بَيْنَ يَدَيْهِ وَلِتُنذِرَ أُمَّ الْقُرَى وَمَنْ حَوْلَهَا وَالَّذِينَ يُؤْمِنُونَ

जो उससे आगे थीं, और ताकि उरा दो ईन्सानकी आबादियोंकी बुन्यादको, और उसके डर जानिबवालोंको, और जो आधिगतको

بِالْآخِرَةِ يُؤْمِنُونَ بِهِ وَهُمْ عَلَى صَلَاتِهِمْ يُحَافِظُونَ ﴿۹۳﴾ وَمَنْ أَظْلَمُ

मानें, वोह उसको भी मानें, और वोह अपनी नमाजों पर निगरानी रभें (९१) और ईससे ज़्यादा आविम कौन ?

مَنْ أَقْتَرَى عَلَى اللَّهِ كَذِبًا أَوْ قَالَ أُوحِيَ إِلَيَّ وَلَمْ يُوحَ إِلَيْهِ

જો તોહમત બાંધે અલ્લાહ પર ઝૂટકા, યા બોલા હો કે મેરી તરફ વહી આઈ, હાલાંકિ ઉસે કુછ વહી ન કી ગઈ.

شَيْءٌ وَمَنْ قَالَ سَأُنزِلُ مِثْلَ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ ط وَكُتِبَ لَهُ

ઓર જિસને કીંગ મારી કિ બહોત જલ્દ મેં નાઝિલ કિયે દેતા હું, જેસાકિ અલ્લાહને નાઝિલ કિયા હે, ઓર અગર દેખતે તુમ જબ

الظُّلُمُونَ فِي غَمَرَاتِ الْمَوْتِ وَالْمَلَائِكَةُ بَاسِطُوا أَيْدِيَهُمْ أَخْرِجُوا

કિ યહ ઝાલિમ મૌતકી તલ્બિયોમં હેં, ઓર ફરિશ્તે અપને હાથ ફેલાએ હેં, કિ નિકાલો

أَنْفُسَكُمْ الْيَوْمَ تُجْرُونَ عَذَابَ الرَّهْمُونَ بِمَا كُنْتُمْ تَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ

અપની જાને. આજ તુમકો ઝિલ્લતકા અઝાબ દિયા જાએગા, જો બકા કરતે થે અલ્લાહ પર

غَيْرِ الْحَقِّ وَكُنْتُمْ عَنْ آيَاتِهِ تَسْتَكْبِرُونَ ﴿۹۳﴾ وَلَقَدْ جِئْتُمُونَا فَرَادَى

નાહક. ઓર ઉસકી આયતોસે શેખી મારતે થે (૯૩) ઓર બેશક તુમ લોગ આએ હમારે પાસ અલાહિદા અલાહિદા

كَمَا خَلَقْنَاكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَتَرَكْتُمْ مَا خَوَّلْنَاكُمْ وَرَاءَ ظُهُورِكُمْ وَمَا نَرَى

જિસ તરહસે કિ પેદા ફરમાયા થા હમને પહલી બાર. ઓર છોડ આએ જો હમને પૂંજ તુમકો દી થી અપને પીઠ પીછે. ઓર નઝર નહીં આતે

مَعَكُمْ شُفَعَاءَكُمُ الَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَاءُ لَقَدْ نَقَطَ

તુમહારે સાથ તુમહારે વોહ સિફારિશી, જિનકો તુમને સમઝ રખા થા કિ વોહ તુમહારે હકમે અલ્લાહકે શરીક હેં. બેશક કટ ગએ

بَيْنَكُمْ وَضَلَّ عَنْكُمْ مَا كُنْتُمْ تَزْعُمُونَ ﴿۹۴﴾ إِنَّ اللَّهَ قَالِقُ الْحَبِّ وَال

આપસમેં ઓર ખો ગયા તુમસે જો દા'વા કરતે થે (૯૪) બેશક અલ્લાહ હે ફાડનેવાલા તુમ્મ ઓર

النَّوَى ط يُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَمُخْرِجُ الْمَيِّتِ مِنَ الْحَيِّ ط ذِكْرُكُمْ

ગુઠલીકા. વોહ નિકાલે ઝિન્દાકો મુદાસે, ઓર નિકાલનેવાલા હે મુદેકો ઝિન્દાસે. યહ હે તુમહારા

اللَّهُ فَأَتَى تَوَفُكُونَ ﴿۹۵﴾ قَالِقُ الْإِصْبَاحِ وَجَعَلَ اللَّيْلَ سَكَنًا وَ

અલ્લાહ, તો કહાં મુંહકે બલ ગિરતે હો (૯૫) ફાડ કર સુબહકો લાનેવાલા, ઓર બના દિયા રાતકો વક્ત સુફત. ઓર

السَّمْسِ وَالْقَمَرِ حُسْبَانًا ط ذَلِكَ تَقْدِيرُ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ ﴿۹۶﴾ وَهُوَ الَّذِي

સૂરજ ઓર ચાંદકો વક્તકા હિસાબ. યહ બાંધા હુવા હે ગલ્બેવાલે ઈલ્મવાલેકા (૯૬) ઓર વોહી હે

جَعَلَ لَكُمْ الْيَوْمَ لِيَهْتَدُوا بِهَا فِي ظُلُمَاتِ اللَّيْلِ وَالْبَحْرِ ط قَدْ

જિસને બનાયા તુમહારે લિયે સિતારોંકો કિ રાહ પાઓ ઉસસે અંધેરિયોંમેં, ખુશકી ઓર તરીકી.

فَصَلْنَا الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ﴿۹۷﴾ وَهُوَ الَّذِي أَنشَأَكُمْ مِن

હમને તફસીલ કર દી નિશાનિયોંકી ઉનકે લિયે જો ઈલ્મ રખતે હોં (૯૭) ઓર વોહી હૈ જિસને પૈદા ફરમાયા તુમકો

نَفْسٍ وَاحِدَةٍ فَمُسْتَقَرًّا وَمُسْتَوْدَعًا قَدْ فَصَلْنَا الْآيَاتِ لِقَوْمٍ

એક જાનસે, તો જાએ કયામ ભી હૈ ઓર મહલ્લે વદાઅ ભી. બેશક તફસીલ ફરમા દી હમને આયતોંકી ઉનકે

يَفْقَهُونَ ﴿۹۸﴾ وَهُوَ الَّذِي أَنزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَخْرَجْنَا بِهِ نَبَاتَ

લિયે જો સમઝે (૯૮) વોહી જિસને બરસાયા આસ્માનસે પાની, ફિર નિકાલા હમને ઉસસે હર

كُلِّ شَيْءٍ فَأَخْرَجْنَا مِنْهُ خَضِرًا نُّخْرِجُ مِنْهُ حَبًّا مُتَرَاكِبًا

કિસ્મકે પોંદે, ફિર નિકાલા હમને ઉસસે હરા ભરા, જિસસે હમ નિકાલતે હેં દાને તલે ઊપર તલે.

وَمِنَ النَّخْلِ مِنْ طَلْعِهَا قِنْوَانٌ دَانِيَةٌ وَجَدَّتِ قِنَ أَعْنَابٍ

ઓર ખજૂરકે ગાભેસો ગુરછ લિપટે હૂએ, ઓર બાગ, અંગૂર

وَالرَّيْحُونَ وَالرُّمَّانَ مُشْتَبِهًا وَغَيْرَ مُتَشَابِهٍ ط أَنْظُرُوا إِلَىٰ

ઓર ઝૈતૂન ઓર અનારકે, કિસી બાતમેં યક્સાં ઓર કિસીમેં જુદા. તુમ લોગ દેખો

شَرِكَةٍ إِذَا أَنشَرَ وَيُنَعِهِ ط إِنَّ فِي ذَٰلِكُمْ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿۹۹﴾

ફલકો જબ ફલે ઓર ઉસકા પકના. બેશક ઈસમેં નિશાનિયાં હેં ઉનકે લિયે જો માનેં (૯૯)

وَجَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ الْجِنَّ وَخَلَقَهُمْ وَخَرَقُوا لَهُ بَنِينَ وَبَنَاتٍ

ઓર બના ડાલા ઉન્હેને અલ્લાહકા શરીક ક્રોમે જિન્નો, હાલાંકિ જિન્નાતકો ઉસ અલ્લાહ હી ને પૈદા ફરમાયા હૈ, ઓર ઉન લોગોમે તરાશ લિયા અલ્લાહ

بَغَيْرِ عِلْمٍ سُبْحٰنَهُ وَتَعَالَىٰ عَمَّا يُصِفُونَ ﴿۱۰۰﴾ بَدِيعَ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ط

કે લિયે બેટે ઓર બેટિયાં નાદાનીસે. પાક ઓર બાલા હૈ વોહ ઉસસે જો ઝક મારતે હેં (૧૦૦) બિદ્અત ફરમાનેવાલા આસ્માનોં ઓર ઝમીન

أَنِّي يَكُونُ لَهُ وَلَدٌ وَلَمْ تَكُنْ لَهُ صَاحِبَةً ط وَخَلَقَ كُلَّ شَيْءٍ وَ

કે પૈદા કરને મેં. ઉસકે ઓલાદ કહાં ? જબકિ ઉસકી કોઈ ઝોજા નહીં. ઓર પૈદા ફરમાયા ઉસીને હર ચીઝ. ઓર

هُوَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۱۰۱﴾ ذٰلِكُمْ اللهُ رَبُّكُمْ لَا اِلٰهَ اِلَّا هُوَ خَالِقُ

વોહ સબ કુછ જાનનેવાલા હૈ (૧૦૧) યહ હેં અલ્લાહ તુમ સબકા પરવરદિગાર. નહીં હૈ કોઈ મા'બૂદ ઉસકે સિવા. હર ચીઝકા

كُلِّ شَيْءٍ فَاَعْبُدُوْهُ وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ وَكِيْلٌ ﴿۱۰۲﴾ لَا تَدْرِكُهُ

પૈદા કરનેવાલા, તો ઉસીકો પૂજો. ઓર વોહ હર એકકા કારસાઝ હૈ (૧૦૨) નહીં પાર્તી ઉસકો

الْأَبْصَارُ وَهُوَ يُدْرِكُ الْأَبْصَارَ وَهُوَ اللَّطِيفُ الْخَبِيرُ ﴿۱۳﴾ قَدْ جَاءَكُمْ

आंभें. और वोड भुभ जानता है सारी आंभोंको. और वोड लताफ़तवाला भाभबर है (१०३) भेशक आ गर्थ तुम्हारे पास

بَصَائِرٍ مِنْ رَبِّكُمْ فَسَنَ أَبْصَرَ فَلِنَفْسِهِ وَمَنْ عَمِيَ فَعَلَيْهَا وَمَا

आंभ भोलनेवाली भाते तुम्हारे रभकी तरफ़से. तो ज़िसने आंभ भोली तो अपने भलेको. और जो अन्धा रछा तो अपने भुरेको. और

أَنَا عَلَيْكُمْ بِحَفِيظٍ ﴿۱۴﴾ وَكَذَلِكَ نَصْرَفُ الْآيَاتِ وَلِيَقُولُوا دَرَسْتَ

में नही हूं तुम पर निगरानीका ज़िम्मेदार (१०४) और एसी तरडसे, तरड तरडसे डमआयतें भयान करते हैं और ताकि सभ केड पडे कि तुम

وَلِنُبَيِّنَنَّ لِقَوْمٍ يُعْلَمُونَ ﴿۱۵﴾ اتَّبِعْ مَا أَوْحَىٰ إِلَيْكَ مِنْ رَبِّكَ لِئَلَّا

ने तोखिभ पढे लिया, और ताकि रेशान करे डे डम उसको एल्मवाली केमके लिये (१०५) यलो, जो वडी करमाँठ ज़ाअे तुम्हारी तरफ़ तुम्हारे परवरदिगारकी

إِلَّا هُوَ وَأَعْرِضْ عَنِ الشُّرَكِيِّنَ ﴿۱۶﴾ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا أَشْرَكُوا

तरफ़से. नही है कोँई पूजनेके काभिल उसके सिवा, और रुभ करे लो मुश्रिकीनसे (१०६) और अल्लाडका याडा छोता तो वोड मुश्रिक न छोते. और

مَا جَعَلْنَاكَ عَلَيْهِمْ حَفِيظًا ۖ وَمَا أَنْتَ عَلَيْهِمْ بِوَكِيلٍ ﴿۱۷﴾ وَلَا تَسُبُّوا

नही किया डमने तुमको उन पर निगरानीका ज़िम्मेदार. और न तुम उनके जवाभदेड छो (१०७) और मत भुरा कडो

الَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ فَيَسُبُّوا اللَّهَ عَدًّا وَبَغَيْرِ عِلْمٍ

उन्हें, जिनको अल्लाडको छोड कर मा'बूद बनाअे हैं, कि वोड भी भेअदभी करने लगे अल्लाडकी भदभद कर नादानीसे.

كَذَلِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةٍ عَمَلَهُمْ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِمْ مَرْجِعُهُمْ فَيُنَبِّئُهُم

एसी तरड भुभसूरत दिभा दिया डमने डर उम्मतको उनका किया धरा. फिर अपने परवरदिगारकी तरफ़ उनका फिरना है, तो भता देगा

بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۱۸﴾ وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ جَهْدَ أَيْمَانِهِمْ لَئِنْ جَاءَهُمْ

वोड उनको जो करते धरते थे (१०८) और कसम भा भेठे अल्लाडकी, भडे जोरकी कसम, कि अगर आ गर्थ उनके पास

آيَةٌ كَأَيُّ مَثَلٍ بِهَا قُلُوبُ الْآيَاتِ عِنْدَ اللَّهِ وَمَا يُشْعِرُكُمْ أَنَّهَا

अज़ाभकी निशानी, तो ज़रूर मान लेंगे उसको. केड द्रो, कि "सारी निशानियां अल्लाडके पास हैं," और क्या पता कि जब निशानी

إِذَا جَاءَتْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۹﴾ وَنَقَلْنَا بِأَبْصَارِهِمْ كَمَا

आती तो न मानते (१०९) और डम उलट पलट देंगे उनके दिलों और आंभोंको, जैसा

لَمْ يُؤْمِنُوا بِهِ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَنَدَّرَهُمْ فِي طُعْيَانِهِمْ يَوْمَئِذٍ ﴿۲۰﴾

कि उन्होंने नही माना उसको पहली बार, और छोड देंगे उन्हें, कि अपनी सरकशीमें यकराते रहें (११०)